* P B B - 0 0 1 - 0 0 1 3 0 5 - 5 0 - 2 *

PBB-001-001305 Seat No. _____

B. A. (Sem. III) (CBCS) Examination

November / December – 2018

Hindi (Main) : Paper-V

(Hindi Ka Naari Chetna Sampann Kavya Kitne Prashn Karu)

(Optional) (Old Course)

Faculty Code : 001

Subject Code : 001305

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

१ 'कितने प्रश्न करू' खण्डकाव्य में ममता कालिया द्वारा निरूपित स्त्रीवादी चिंतन को स्पष्ट कीजिए । १४

अथवा

१ 'कितने प्रश्न करू' खण्डकाव्य के आधार पर सीता का चरित्र–चित्रण कीजिए । १४

२ 'कितने प्रश्न करू' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए । १४

अथवा

२ 'कितने प्रश्न करू' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखकर उसके उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए । १४

३ खण्डकाव्य के तत्त्वों के आधार पर 'कितने प्रश्न करू' खण्डकाव्य की समीक्षा कीजिए । १४

अथवा

३ मर्यादा पुरूषोत्तम राम का चरित्र–चित्रण कीजिए । १४

४ ममता कालिया का साहित्यिक परिचय दीजिए । १४

अथवा

४ ममता कालिया का जीवन और उसका खण्डकाव्य 'कितने प्रश्न करू' का संक्षेप में परिचय दीजिए । १४

५ टिप्पणी लिखें: (कोई भी **दो**) १४

(१) 'कितने प्रश्न करू' खण्डकाव्य की भाषा–शैली ।

(२) 'कितने प्रश्न करू' खण्डकाव्य में मिथक तत्व ।

(३) 'कितने प्रश्न करू' खण्डकाव्य में इतिहास बोध ।

(४) 'कितने प्रश्न करू' खण्डकाव्य शीर्षक की सार्थकता ।